कृषि ज्योतिष

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

2023-24

वास्तु विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवासमार्ग , उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट - www.mpsvv.ac.in

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

कृषि ज्योतिष

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का उद्देश्य** - कृषिप्रधान भारतीय संस्कृति के लिए कृषिविज्ञान कोई नवीन विषय नहीं है। वैदिक पृथ्वी सूक्त आदि से लेकर पौराणिक वाङ्मय तक कृषिविमर्श हमारे शास्त्रों में भरा पड़ा है। ज्योतिष में इस पर अधिक कार्य हुआ। भारतीय कृषिज्ञान परम्परा के बिन्दुओं को एक साथ सङ्कलित कर उनका प्रचार प्रसार तथा आधुनिक कृषि विज्ञान के साथ उसकी सङ्गति को उद्घाटित करना, इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

2. **प्रवेश नियम**- एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त बारहवीं कक्षा (12वीं) या तत्समकक्ष परीक्षा है।

3. **परीक्षा योजना**-

इस पाठ्यक्रम में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें से दो प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक तथा दो प्रायोगिक होंगे। परीक्षा का माध्यम हिंदी होगा। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिप्रश्नपत्र 35% अङ्क अपेक्षित हैं।

प्रश्नपत्र क्रमाङ्क	विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	अङ्क
प्रथम (सैद्धांतिक)			भारतीय कृषि ज्योतिष	3	3	100
द्वितीय (सैद्धांतिक)			आधुनिक कृषि विज्ञान	3		100
तृतीय			प्रायोगिक	1	1	100
चतुर्थ			प्रायोगिक	1		100
			योग	8	4	200

ELIGIBILITY FOR EXAMINATION:

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 - 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 - 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	Criterion
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50 .
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

Equivalent Percentage- CGPAX10
The Maximum Marks per paper is fixed at 100
(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA), and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/YGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

4. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान 10 निर्धारित हैं। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

5. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

कृषि ज्योतिष

प्रथम प्रश्नपत्र

भारतीय कृषि ज्योतिष

पूर्णाङ्क 100

उद्देश्य एवं लाभ

- प्राच्य भारतीय कृषिविज्ञान तथा ऋतुविज्ञान से परिचित कराना।
- छात्र न केवल कृषिपद्धति से परिचित होंगे, अपितु कृषिमुहूर्त, वर्षा तथा भूमिगत जल का अनुमान करके कृषिज्योतिषी के रूप में वृत्ति प्राप्त कर सकते हैं।
- कृषक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान से स्वकीय कृषि को उन्नत तथा अधिक लाभकारी बना सकते हैं।

इकाई 01	भारतीय कृषि का इतिहास कृषि के वैदिक सन्दर्भ- इन्द्रसूक्त, वरुणसूक्त, नदीसूक्त, पृथ्वीसूक्त (अथर्ववेद) आदि में कृषि के प्रमाण प्राचीन कृषिशास्त्रीय ग्रन्थों का परिचय- कृषिपराशर, सुरपालकृत वृक्षायुर्वेद, उपवनविनोद, कश्यप कृषिसूत्र	20
इकाई 02	कृषिपरिचय कृषिपराशर- कृषिमहत्त्व, संवत्सरपति का फल, हलारम्भ (जुताई), बीजस्थापन एवं संरक्षण, बीजवपन (बुवाई), रोपण, धान्यकुट्टन (निंदाई), निस्तृणीकरण (खरपतवार), अतिरिक्तजलमोक्षण, धान्यस्थापन मुहूर्तचिन्तामणि- नक्षत्रप्रकरण- नक्षत्रों की ध्रुवादि तथा अधोमुखादि सञ्ज्ञाएँ, लतापादपरोपण, हलप्रवहण (जुताई), बीजोप्ति (बुवाई), धान्यच्छेदन (कटाई), कणमर्दन (थ्रेसिंग) तथा धान्यस्थिति के मुहूर्त, हलचक्र तथा फणिचक्र (हलप्रवहण तथा बीजवपन में उपयोगी)	20
इकाई 03	कृषिप्रबन्धन अर्थशास्त्र-	20

	प्रकरण 40/24- वृष्टिमात्रा, भूमि तथा ऋतुकाल के आहार में पर विभिन्न फसलों की बुवाई, उत्पन्न फसलों का रखरखाव प्रकरण 17/01 कृषिसंरक्षण में शासन-प्रशासन की भूमिका बृहत्संहिता- सस्यजातकाध्याय- वृष-वृश्चिक सूर्यसङ्क्रान्तियों से फसलों का शुभाशुभविचार द्रव्यनिश्चयाध्याय- राशियों से सम्बद्ध फसलें आषाढीयोगाध्याय- तुलाकोपरहस्य से फसलों की उत्पत्ति तथा मूल्य का विचार, वातचक्रफल	
इकाई 04	वृष्टिविचार बृहत्संहिता- गर्भलक्षणाध्याय- मेघगर्भ (मेघोत्पत्ति) लक्षण तथा फल प्रवर्षणाध्याय- वृष्टिमापनविधि, सद्योवर्षणाध्याय- प्रश्नकुण्डली, गोचर तथा शकुनशास्त्र से वृष्टिज्ञान कृषिराशर- विविध मासों में वृष्टिज्ञान	20
इकाई 05	भूमिगत जलज्ञान तथा जलप्रबन्धन विष्णुधर्मोत्तर पुराण 3/296- जलाशय महत्त्व, 3/298- जलसंरक्षण एवं स्वच्छता समराङ्गणसूत्रधार- भूमिपरीक्षाध्याय - जाङ्गल (शुष्क), अनूप (आर्द्र) तथा साधारण आदि भूमियों के लक्षण वृहत्संहिता- दकार्गलाध्याय- दकार्गल (भूमिगत जलशिरा) परिचय, साम्प्रतकालोचित दकार्गलज्ञान, वृक्षशाखापर्णादि तथा दूर्वा आदि से भौमजलज्ञान, जाङ्गल-अनूप तथा मरुभूमि में जलशिराज्ञान, भूमि की उष्णता आदि से जलशिराज्ञान , जलाशय हेतु दिशाविचार वृहद्वास्तुमाला- कूपादिखननविचार- कूप-तडागादि खनन के मुहूर्त, कूपचक्र तथा तडागचक्रविचार अपराजितपृच्छा- सस्यावताराध्याय- अल्पवृष्टि वाले क्षेत्रों में जलसंरक्षण के उपाय, रहट, नहर आदि से सिंचाई	20

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कृषिपराशर- पराशर- अनु.&सम्पा.- द्वारकाप्रसाद शास्त्री- चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2003
2. मुहूर्तचिन्तामणि- रामदैवज्ञ- टीका.- केदारदत्त जोशी- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1979
3. अर्थशास्त्र- कौटिल्य- टीका.- वाचस्पति गैरोला- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2003
4. बृहत्संहिता- वराहमिहिर- टीका.- अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2005
5. विष्णुधर्मोत्तर पुराण- टीका. शिवप्रसाद द्विवेदी- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2016
6. समराङ्गणसूत्रधार- भोजदेव- टीका - श्रीकृष्ण जुगनू/प्रो. भँवर शर्मा- चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2017
7. बृहद्वास्तुमाला- रामनिहोर द्विवेदी- सम्पा. डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2012
8. अपराजितपृच्छा- टीका - श्रीकृष्ण जुगनू/प्रो. भँवर शर्मा- परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011
9. नरपतिजयचर्यास्वरोदय- नरपति- सम्पा. डॉ. सत्येन्द्र मिश्र- चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी, 2009
10. वराहमिहिर- जल जीवन है- पं ईशनारायण जोशी- स्वराज संस्थान सञ्चालनालय, भोपाल, 2004
11. प्राच्यभारतीयम् ऋतुविज्ञानम्- डा धुनीराम त्रिपाठी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2002
12. आचार्य वराहमिहिर का ज्योतिष में योगदान- डॉ. भोजराज द्विवेदी, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2002

अंक विभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	$2 \times 5 = 10$
2 लघूत्तरीयप्रश्न	$6 \times 5 = 30$
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	$12 \times 5 = 60$

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

कृषि ज्योतिष

द्वितीय प्रश्नपत्र

आधुनिक कृषि विज्ञान

पूर्णांक 100

उद्देश्य एवं लाभ

- कृषिविज्ञान के प्रमुख सिद्धान्तों से परिचित कराना।
- छात्र न केवल कृषिपद्धति से परिचित होंगे, अपितु कृषि के विज्ञान को जानकर कृषिविशेषज्ञ के रूप में वृत्ति प्राप्त कर सकते हैं।
- कृषक पृष्ठभूमि के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से प्राप्त ज्ञान से स्वकीय कृषि को उन्नत तथा अधिक लाभकारी बना सकते हैं।

इकाई 01	कृषिविज्ञान का विकास सस्यन प्रणाली (चल खेती, मिश्रित खेती, एकल कृषि, बहुस्तरी सस्यन आदि)	20
इकाई 02	शुष्कभूमि कृषि, क्षरण एवं मृदा संरक्षण (सीढ़ीनुमा खेती) फसल वर्गीकरण (कृष्य एवं एले फसल), खरीफ एवं रबी फसलें, उत्पत्ति स्थान, अनाज, दलहन, तिलहन, कपास, जूट, गन्ना	20
इकाई 03	बीज प्रौद्योगिकी (गुणवत्ता, प्रमाणित बीज, बीजोपचार) खरपतवार समस्या एवं रोकथाम के उपाय	20
इकाई 04	मृदा निर्माण, मृदा गुण, मृदा वर्गीकरण लवर्णीय, क्षारीय और अम्लीय मृदाएँ मृदा कार्बनिक पदार्थ, खाद, उर्वरक एवं जैव उर्वरक, खनिजपोषण	20

इकाई 05	वनस्पतिविज्ञान (विसरण, परासरण, जलावशोषण, रसारोहण, जलहानि, वाष्पोत्सर्जन, प्रकाश संश्लेषण, प्रकाश संश्लेषण से सम्बन्धित वर्णक, प्रकाश संश्लेषण को प्रभावित करने वाले कारक, श्वसन, एंजाइम परिचय)	20

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कृषिविज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त- अरुण कात्यायन- किताब महल प्रकाशन, दिल्ली, 2020

अंक विभाजन -

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	$2 \times 5 = 10$
2 लघूत्तरीयप्रश्न	$6 \times 5 = 30$
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	$12 \times 5 = 60$

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

कृषि ज्योतिष

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय कृषि ज्योतिष से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

- पूर्णाङ्क 100

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

कृषि ज्योतिष

चतुर्थ प्रश्नपत्र

आधुनिक कृषि विज्ञान से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

पूर्णाङ्क 100